ब्रह्माकुमारीज़ के विशाल शांतिवन प्रांगण में भारत के विभिन्न प्रान्तों से पहुंचे तीन हज़ार नौनिहाल

40वें अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का सफल आयोजन

दादी रतनमोहिनी के साथ राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, राजयोगिनी दादी ईशू, राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू, राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय व अन्य ब्र.कु. भाई बहनें दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन करते हुए। सभा में देश भर से आये तीन हज़ार बच्चे कार्यक्रम का आनंद लेते हुए।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित सात दिवसीय '40वें अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर' में देशभर से तीन हज़ार से ज़्यादा बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रकार की कलायें सीखी तथा अपनी कलाओं का प्रदर्शन भी किया। साथ ही जीवन में नैतिक मूल्यों की धारणा के प्रति उनका मार्गदर्शन किया गया तथा राजयोग का अभ्यास भी कराया गया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ जिसमें विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि बच्चे इस देश के भविष्य हैं। इसलिए माता-पिता को बच्चों को संस्कारों से संवारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि

ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में जागृति लाने का प्रयास करना है। ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि बच्चों का भविष्य अभी से संवारना प्रारंभ करना चाहिए। इससे ही बच्चे नये भारत का निर्माण कर सकेंगे। अभी बच्चों का मन बिल्कुल साफ होता है, उस पर जो लिखा जाता है वह छप जाता है। इसलिए उनके लिए प्रयास करें। राजयोगिनी दादी ईशू ने कहा कि मैं आप बच्चों जैसी उम्र में ही इस संस्था में आई और अपने प्यारे परमपिता को पहचाना और उनके निर्देशन में ही पली-बढ़ी। कार्यक्रम में शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि पिछले 40 वर्ष से बच्चों के लिए यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों का जीवन बदला है। समारोह में शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू व कार्यकारी सदस्य वेद गुलियानी ने भी बच्चों का मार्गदर्शन किया। सात दिवसीय शिविर में बच्चों को राजयोग की शिक्षा देने के साथ-साथ राजयोग की गहन अनुभूति कराई गई। बच्चों ने हर एक्टिविटी में भाग लेकर भरपूर आनंद लिया।

प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन

... सौ मीटर बोरी दौड़ ...
... सौ मीटर लॉन्ग जम्प ...
... म्युज़िकल चेयर ...
... सौ मीटर लेमन स्पून ...
... संगीत प्रतियोगिता ...
... डान्स कॉम्पिटीशन ...
... पेन्टिंग कॉम्पिटीशन ...
... स्पीच कॉम्पिटीशन ...

समाजसेवी अभियान का इंदौर में भव्य स्वागत

कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए अतिथिगण

इंदौर-म.प्र.। हमें स्वस्थ समाज बनाना है तो व्यक्ति के विकृत मानसिकता को बदल कर मन को निर्मल, स्वच्छ व सकारात्मक बनाना होगा। इस कार्य में आध्यात्मिकता एवं राजयोग मेडिटेशन हमारे मददगार बनेंगे। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ समाज सेवा अभियान "सुखी जीवन स्वस्थ समाज" के इंदौर आगमन पर ब्र.कु. ओमप्रकाश सभागार ज्ञानशिखर में समाज सेवियों के लिए आयोजित सेमिनार में ब्र.कु. वंदना,मुम्बई ने व्यक्त किये। इस अवसर पर इंदौर ज़ोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता ने कहा कि आज आवश्यकता है कि समाज का हर व्यक्ति स्वयं में मूल्यों को धारण करे, तब ही वो समाज का पुनर्निर्माण कर सकता है। लायन्स क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निर्मल जैन ने कहा कि बच्चों को बाल्यकाल से ही घरों में, शिक्षण संस्थाओं में श्रेष्ठ संस्कारों की शिक्षा देनी होगी। ब्र.कु. सरिता,दिल्ली ने कहा कि आध्यात्मिकता द्वारा समाज में फैली बुराइयों से मुक्ति दिला कर व्यक्ति को चरित्रवान बनाकर सुखी जीवन जीने की कला सिखाना और एक स्वस्थ, स्वच्छ समाज की स्थापना करना ही इस अभियान का लक्ष्य है। आगामी लायन्स के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अजय सेंगर ने कहा कि श्रेष्ठ समाज के निर्माण में सभी समाज सेवी संस्थाओं को एकजुट होना होगा। ब्र.कु. ज्योति,दिल्ली ने सभी को राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से मानसिक ऊर्जा बढ़ाने की विधि बताते हुए गहन शांति की अनुभूति कराई। समाजसेवी डॉ. अनिल भंडारी एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. शेखर डी. राव ने शुभकामनायें दी। लायन्स क्लब के रतन लाल गुप्ता, श्याम काबरा, डॉ. साधना सोडानी, प्रेमनगर क्षेत्र के पार्षद कंचन गिदवानी, किशन लाल पाहवा, देवीलाल कंधारी, मुस्कान ग्रुप से संदीपन आर्य, प्रकाश रोचलानी, मालवा चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सुरेश हरियानी, इदौरियन्स संस्था से रवि गुप्ता, उमा त्रिवेदी, अग्रवाल समाज के नारायण अग्रवाल ने अभियान यात्रियों का अभिनंदन किया। मंच संचालन प्रेमनगर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शशी ने किया।

- **जम्मू से बॉम्बे जाने वाले समाज सेवी अभियान का इंदौर पहुंचने पर भव्य स्वागत।**
- **अभियान के द्वारा वृद्धाश्रम परदेशीपुरा, विशेष बालक गृह, महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ, मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, डायनामिक मनी रिसर्च ऑफिस में कार्यक्रम आयोजित किये गये।**

न्याय प्रणाली को बेहतर बनाने का अध्यात्म ही कारगर माध्यम

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज़ के न्यायविद सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रथम लोकपाल न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्रघोष ने कहा कि राजयोग मन की सर्व प्रकार की विकृतियों को समाप्त कर सर्व के प्रति शुभ भावना व शुभ कामना रखने में सहायक है। ओडिशा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन अध्यक्ष जी.के. मोहन्ती ने कहा कि न्याय प्रणाली

त्रिदिवसीय न्यायविद सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर हुआ मंथन
देश भर से न्याय प्रणाली से जुड़े करीब तीन सौ गणमान्य लोग हुए शरीक

को बेहतर बनाने के लिए अध्यात्म सक्षम माध्यम है। निष्पक्ष रूप से निर्णय देना ही न्यायवेत्ताओं का वास्तविक धर्म है। सकारात्मक परिवर्तन के लिए ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से प्रशिक्षित राजयोग के मनोविज्ञान को गहराई से समझने की ज़रूरत है। पटियाला से आए

राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए न्यायमूर्ति पिनाकी चन्द्र घोष, जे.के. मोहन्ती, बी.एल. महेश्वरी, न्यायाधीश ए.एस. पचापुरे, प्रभाग उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा, राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. लता तथा अन्य।

न्यायाधीश ए.एस. पचापुरे ने कहा कि आत्मिक शक्तियों से संचालित होने वाले शरीर के ज़रिए किए जाने वाले कर्मों को श्रेष्ठ बनाने से चित्त को शांति व आनंद प्राप्त होता है। ओडिशा हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता पी.के. नंदा ने कहा कि आध्यात्मिकता सामाजिक कल्याण के कार्यों में तत्पर रहना सिखाती है। इस मौके पर संगठन के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, संगठन की समाज सेवा प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. संतोष, मध्यप्रदेश लोकायुक्त यू.सी. महेश्वरी, संगठन के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, प्रभाग अध्यक्ष बी.एल. महेश्वरी, इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जज ए.के. श्रीवास्तव, पूर्व न्यायाधीश वी. ईश्वरैय्या, प्रभाग उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा, राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. लता, रश्मि ओझा व बाल मुकुंद काबरा, संगठन के सचिव ब्र.कु. ललित, प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. श्रद्धा, कर सलाहकार ब्र.कु. मीनल, राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शिखा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

नर्सेस डे पर गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज जे.ए. हॉस्पिटल में विशेष कार्यक्रम

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. प्रहलाद। साथ हैं ब्र.कु. आरती तथा अन्य।

ग्वालियर-म.प्र.। इंटरनेशनल नर्सेस डे के उपलक्ष्य में गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज ज.ए. हॉस्पिटल के कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से ब्र.कु. प्रहलाद और ब्र.कु. आरती को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज की प्रिंसिपल विमला प्रसाद, वाइस प्रिन्सिपल सुजा नायर, एस.एन.ए. अध्यक्ष पुष्पा राय एवं कॉलेज स्टाफ के साथ अनेकानेक नर्सिंग स्टूडेंट्स उपस्थित थे। इस अवसर पर ब्र.कु. प्रहलाद ने कहा कि आज हर व्यक्ति खुश रहना चाहता है। टेंशन फ्री रहना चाहता है। लेकिन छोटी छोटी बातों मे हमारी खुशी चली जाती है, उदासी आ जाती है, क्रोधित हो जाते हैं। उन्होंने सभी को खुश रहने और तनावमुक्त रहने के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि इतनी व्यस्त जीवन शैली में हमारे पास हर चीज़ के लिए टाइम है लेकिन हम स्वयं से बात करने के लिए टाइम नहीं निकाल पाते हैं। यही हमारे दुःख का कारण है। साथ ही उन्होंने मन क्या है, बुद्धि क्या है, संस्कार क्या है, के रहस्य को भी स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि दुनिया में कोई भी व्यक्ति आपको टेंशन में नहीं ला सकता, जब तक कि आप उसकी बातों को रिसीव नहीं करते। अंत में ब्र.कु. आरती के द्वारा सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति करवाइ गई और राजयोग मेडिटेशन के फायदे बताये गए। कार्यक्रम के अंत में नर्सिंग कॉलेज की प्रिन्सिपल विमला प्रसाद ने इंटरनेशनल नर्सिंग डे क्यों मनाया जाता है, इसे स्पष्ट किया और संस्थान की ओर से पहुंचे ब्र.कु. प्रहलाद एवं ब्र.कु. आरती का धन्यवाद दिया और सभी को अपनी शुभकामनायें दी।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th June 2019
मुख्य संपादक : ब्र.कु. गंगाधर, प्रकाशकः ब्र.कु. करुणा तथा डी.बी. प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित एवं ब्रह्माकुमारीज़ के लिए छपवाया।